नोनी : डीटाक्सीफिकेशन और ठीक होने के स्थिति

विभिन्न डिग्री में एक डी-टाक्स / शुद्धीकरण प्रक्रिया प्रत्याशित की जा सकती है और यह बिल्कुल सामान्य है और सामान्यतः कुछ दिन लगते हैं, फिर भी कुछ मरीजों में वह अधिकतम आठ सप्ताह भी लग सकते हैं। नोनी रस पहले शरीर के उन क्षेत्रों पर काम करता है जो कमज़ोर या पीडित हैं। जब यह घटित होता है, उस व्यक्ति को असुविधा हो सकती है क्योंकि शरीर अपने प्राकृतिक प्रतिरक्षण के प्रयोग से उस क्षेत्र को ठीक करता है। दुर्भाग्य से लोग दवाइयों के प्रयोग से शरीर के प्राकृतिक प्रक्रियाओं को दबाकर अपने दर्द को दमन करने के इतने आदतबद्ध हैं कि जब वास्तव में अपने शरीर में कुछ होते हुए महसूस करते हैं तो बहुत ही डर जाते हैं। इसमें डरने की कोई बात नहीं है लेकिन यह किसी व्यक्ति के पीडा के कारण को ज्ञात करने के लिए शरीर का सरल तरीका है।

तो एक प्रारंभिक शुद्धीकरण प्रतिक्रिया या डीटाक्सीफिकेशन संभव है, कुछ लोगों को बहुत कम ही असुविधा का महसूस होता है। लेकिन संभाव्यता के बारे में जानकारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शुद्धीकरण प्रतिक्रिया की तीव्रता अत्यधिक लोगों में खुराक से संबंधित है। तो यदि रस का बनाना या विषैले तत्वों को शीघ्रता से बाहर भेजने के लिए अधिक पानी पीना है तो वैकल्पिक रूप से उसी मात्रा में रस को लीजिए लेकिन प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए और ज्यादा पानी पीते रहिए। या आप खुराक को बढ़ाकर डीडाक्सीफिकेशन को तेज़ बना सकते हैं। इसके साथ सटे रहिए फिर भी इस प्रक्रिया को तेज़ करना बेहतर है। या आप रोकने के लिए पी रहे हैं।

यदि किसी को एक शुद्धीकरण प्रतिक्रिया प्राप्त होता है, आप निश्चित रह सकते हैं कि नोनी उस व्यक्ति की मदद करेगा। प्रतिक्रिया में रेश हो सकता है, असामान्य शारीरिक बू, डयोर्हिया, सिरदर्द, जुकाम, चक्कर या उल्टी आदि। शरीर में विषैले तत्व हैं और इनको कॉलोन या त्वचा आदि के जरिए शरीर से निकाला जा सकता है। यह एक घाव भरने की प्रक्रिया है जिसमें शरीर विषैले तत्वों को निकालता है और अपने संतुलन और स्वस्थ को पुनःप्राप्त करता है।

इस प्रकार के डी-टाक्स के बाद लोगों को कुछ दवाइयाँ सुझाए जाते हैं । नोनी के कारण इन दवाइयों का शरीर पर बहुत ही ज्यादा असर होता है क्योंकि अब शरीर अब अपने प्राकृतिक प्रक्रिया से ठीक हो रहा है। ऐसे में सुझाए दवाइयों के कारण व्यक्ति को तीनल या चार सप्ताहों में मेलाइस, सिरदर्द, उल्टी, डयार्हिया आदि हो सकते हैं। इसका एक मात्र उपाय है कि सुझाए गए दवाइयों को बंद कर देना। इसका तात्पर्य यह हुआ कि जैसे शरीर कह रहा हो कि 'मुझे सुझाए गए दवाइयों की और ज़रूरत नहीं है'। फिर भी अपने चिकित्सक की सलाह के बिना दिए गए दवाइयों को कम या रोक न कीजिए।

शुद्धीकरण प्रक्रिया में ठीक करने के तरीके

हम जानते हैं कि जब शरीर और कोशिकाएँ शुद्धीकरण प्रक्रिया में हैं तब कुछ ठीक हाने के क्रिया घटित होंगे। इन क्रियाओं के समय शरीर में ऐसा महसूस होगा जैसे कि जब हम बीमार होते समय महसूस करते हैं। कुछ लोगों के लिए यह समझने में मुश्किल लगेगा क्योंकि ये लक्षण समस्याओं का हल करने के लिए शरीर में में होने वाले क्रियाओं का संकेत है। यह इसलिए है कि हम हमेशा शरीर द्वारा भेजे गए इस प्रकार के संकेतों को तिरस्कृत करते रहे हैं और उन संकेतों की परवाह नहीं की है। परंपरागत रसायनिक दवाइयाँ के सेवन से समस्याओं को चुपाने या संकेतों को भगाने के लिए किया जाता है और अतिरिक्त रसायनों का सेवन करने से बचे रहें क्योंकि इस प्रकार के असुविधाएँ समय के साथ गायब हो जाएंगे।

आपको यह भी जानना चाहिए कि यदि आप कोई पुराने समस्या से पीडित हैं तो ठीक होने की प्रक्रिया में कई भाग होंगे। शरीर ठीक हाने के कार्य पर तभी काम कर सकता है जब उसमें काम करने के लिए शक्ति, ऊर्जा और निर्माण सामग्री हैं। तो जब शरीर में काफी शक्ति है वह विषैले तत्वों को निकाल देगा और स्वस्थ रखेगा। आपको यह भी जानना ज़रूरी है कि इन प्रयत्नों के बाद शरीर को आराम की ज़रूरत है, क्योंकि इसे पूरा करने के लिए उसको अधिक मात्रा में

ऊर्जा की ज़रूरत है। तो यदि इस प्रक्रिया में या उसके बाद आपको सामान्य थकान की महसूस होती है तो हैरान न होइए। और जब तक स्वस्थ की पुनः प्राप्ति नहीं हो जाती आपको इस प्रक्रिया को दोहराते रहना चाहिए। यह याद रखना ज़रूरी है कि शरीर तब तक अपने आप को ठीक नहीं कर सकता जब तक ऐसे करने के लिए उसमें भौतिक शक्ति नहीं होती है।

नोनी यकृत को साफ करता है

आंतरिक शुद्धीकरण और डीटाक्सीफिकेशन कुछ समय से होता आ रहा है। आज के विष-भरे संसार में, स्पष्ट है कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिन पदार्थो से हमें हानि है उनको निकालने की हमारी क्षमता हमारे कल्याण के लिए है। विषैले पदार्थ सर्वत्र हैं घुलनशील वस्तुओं में हैं। हमारे शरीर के द्वारा उसके साधारण गतिविधियों में भी। शरीर के डीटाक्सीफिकेशन क्रियाविधियों में सबसे महत्वपूर्ण है यकृत का, जो अधिकभारवहन हो जाता है और हमें अधूरा डीटाक्सीफाइड मेटाबोलिटीस का नियमित संग्रहण का महसूस होता है।

विषैले पदार्थ रक्त के द्वारा यकृत में भेजा जाता है। इनमें से कोई एक संकेत तैयार करके एक अधिभार यकृत संकेत करता है कि वह विषैले भार को और रख नहीं पा रहा है। जैसे कि अपाचन, सोरियासिस, एक्नी, पुराना थकान, अनुर्वरता, सिरदर्द, माँसपेशी में दर्द कब्ज़ियत, सूजन की स्थितियाँ, स्वप्रतिरक्षण अव्यवस्था, मानसिकदबाव, उत्सुकता उलझन और सीखने की असमर्थता भी आदि।

कई प्रमाण उभर आ रहे हैं जो इसके संकेतक हैं कि शरीर से हानिकारक पदार्थो को निकालने की प्रक्रिया कुछ केंसर सहित कई आधुनिक रोगों के कारण बनने वाले कारक के रूप में प्रशंसा योग्य हैं। कई हद तक किसी व्यक्ति के स्वास्थ स्तर का निर्णय करने वाला वस्तु उस व्यक्ति के शरीर का विषैला पदार्थ। यकृत के प्रक्रिया पर नोनी के प्रभाव पर जाँच से ज्ञात होता है कि जब जडी-बूटियों के मसाज तकनीकियों से मिलाए जाते हैं तब यकृत से विषैले पदार्थ को निकालने की प्रक्रिया 50 प्रतिशत और बढ़ जाती है। आज तक निर्धारित और कोई भी जड़ी-बूटियों की औषधी में यहाँ तक की पोटेन्ट डीटाक्सीफाइयर माने जाने वाले जडी-बूटियों ने भी इतना प्रभाव नहीं दर्शाया।

नोनी किस प्रकार इस तरह के उल्लेखनीय स्तर के डीटाक्सीफिकेशन प्राप्त कर सकता है इसका कारण है कि यह ग्लूटाथियोन नाम के पदार्थ को व्यय होने से रोकता है। यह पदार्थ जो यकृत के डीटाक्सीफिकेशन कार्यो के लिए महत्वपूर्ण है। उसी प्रकार, जब हम विषैले तत्वों के सामने आते हैं ग्लूटाथियोन वे अपने स्तर को 25 प्रतिशत तक भी बढ़ाते हैं। क्योंकि विषैले तत्व कई रोगों के लिए सामान्य धमकी है, यह दर्शाता है कि नोनी स्वस्थ की सुधार के लिए कई तरीकों से काम करता है।

इसलिए नोनी पीए और स्वस्थ रहें।